

## ॥ जगदानन्दकारक शतनामावलि: ॥

ॐ जगदानन्दकारकाय नमः  
 ॐ जानकीप्राणनायकाय नमः  
 ॐ गगनाधिपसद्कुलजाय नमः  
 ॐ राजराजेश्वराय नमः  
 ॐ सुगुणाकराय नमः  
 ॐ सुरसेव्याय नमः  
 ॐ भव्यदायकाय नमः  
 ॐ सदा  
 सकल-जगदानन्दकारकाय नमः  
 ॐ  
 अमर-तारक-निचय-कुमुदहिताय  
 नमः  
 ॐ परिपूर्णाय नमः १०  
 ॐ अनघाय नमः  
 ॐ सुराय नमः  
 ॐ सुरभूजाय नमः  
 ॐ  
 दधि-पयोधि-वास-हरणाय नमः  
 ॐ सुन्दरतरवदनाय नमः  
 ॐ सुधामयवचो वृन्दाय नमः

ॐ गोविन्दाय नमः  
 ॐ सानन्दाय नमः  
 ॐ मावराय नमः  
 ॐ अजरायै नमः २०  
 ॐ आप्ताय नमः  
 ॐ शुभकराय नमः  
 ॐ  
 अनेक-जगदानन्दकारकाय नमः  
 ॐ निगम-नीरजामृतज-  
 पोषकाय नमः  
 ॐ अनिमिष-वैरि-वारिद-  
 समीरणाय नमः  
 ॐ खग-तुरङ्गाय नमः  
 ॐ सद्कवि-हृदालयाय नमः  
 ॐ अगणित-वानराधिप-  
 नताङ्घ्रियुगाय नमः  
 ॐ जगदानन्दकारकाय नमः  
 ॐ इन्द्रनील मणि  
 सन्निभापघनाय नमः ३०  
 ॐ चन्द्र-सूर्य-नयनाय नमः

ॐ अप्रमेयाय नमः  
 ॐ वागिन्द्र-जनकाय नमः  
 ॐ सकलेशाय नमः  
 ॐ शुभ्राय नमः  
 ॐ नागेन्द्र-शयनाय नमः  
 ॐ शमन-वैरि-सन्नुताय नमः  
 ॐ जगदानन्दकारकाय नमः  
 ॐ पाद-विजित-मौनि-शापाय  
 नमः  
 ॐ सव-परिपालाय नमः ४०  
 ॐ वरमन्त्र-ग्रहण-लोलाय नमः  
 ॐ परम-शान्ताय नमः  
 ॐ सिद्धाय नमः  
 ॐ जनकजाधिपाय नमः  
 ॐ सरोजभव-वरदाय नमः  
 ॐ  
 अखिल-जगदानन्दकारकाय नमः  
 ॐ सृष्टि-स्थित्यन्त-कारकाय नमः  
 ॐ अमिताय नमः  
 ॐ कामित-फलदाय नमः  
 ॐ असमान-गात्राय नमः ५०  
 ॐ शचीपतिनुताय नमः

ॐ अब्धि-मदहराय नमः  
 ॐ अनुराग-राग-राजित-कथा-  
 सारहिताय नमः  
 ॐ जगदानन्दकारकाय नमः  
 ॐ सज्जन-मानसाब्धि-  
 सुधाकराय नमः  
 ॐ कुसुम-विमानाय नमः  
 ॐ सुरसारिपु-कराब्ज-लालित-  
 चरणाय नमः  
 ॐ अवगुणासुरगण-मद-हरणाय  
 नमः  
 ॐ सनातनाजनुताय नमः  
 ॐ जगदानन्दकारकाय नमः ६०  
 ॐ ओङ्कार पञ्जर-कीराय नमः  
 ॐ पुरहर-सरोजभव-  
 केशवादिरूपाय नमः  
 ॐ  
 वासव-रिपु-जनकान्तकाय नमः  
 ॐ कलाधराय नमः  
 ॐ कलाधराप्ताय नमः  
 ॐ घृणाकराय नमः  
 ॐ शरणागत-जन-पालनाय नमः

ॐ सुमनोरमणाय नमः  
 ॐ निर्विकाराय नमः  
 ॐ निगमसारतराय नमः ७०  
 ॐ जगदानन्दकारकाय नमः  
 ॐ करधृत-शर-जालाय नमः  
 ॐ सुरमदापहरणाय नमः  
 ॐ अवनी-सुर-सुरावनाय नमः  
 ॐ कवीनाय नमः  
 ॐ बिलज-मौनि-कृत-चरित्र-  
 सन्नुताय नमः  
 ॐ श्री त्यागराजनुताय नमः  
 ॐ जगदानन्दकारकाय नमः  
 ॐ पुराणपुरुषाय नमः  
 ॐ नृवरात्मजाय नमः ८०  
 ॐ आश्रित-पराधीनाय नमः  
 ॐ खर-विराध-रावण-  
 विरावणाय नमः  
 ॐ अनघाय नमः

ॐ पराशर-मनोहराय नमः  
 ॐ अविकृताय नमः  
 ॐ त्यागराज-सन्नुताय नमः  
 ॐ जगदानन्दकारकाय नमः  
 ॐ अगणित-गुणाय नमः  
 ॐ कनक-चेलाय नमः  
 ॐ साल-विदलनाय नमः ९०  
 ॐ अरुणाभ-समान-चरणाय नमः  
 ॐ अपार-महिम्ने नमः  
 ॐ अद्भुताय नमः  
 ॐ सुकवि-जन-हृद्सदनाय नमः  
 ॐ सुर-मुनिगण-विहिताय नमः  
 ॐ  
 कलश-नीरनिधिजा-रमणाय नमः  
 ॐ पाप-गज-नृसिंहाय नमः  
 ॐ वराय नमः  
 ॐ त्यागराजादि-नुताय नमः  
 ॐ जगदानन्दकारकाय नमः १००

॥ इति श्री जगदानन्दकारक नामावलि: सम्पूर्णा ॥

was downloaded from <http://stotrasamhita.github.io/>

Facebook: <http://facebook.com/StotraSamhita>

GitHub: <http://stotrasamhita.github.io/> | <http://github.com/stotrasamhita>

Credits: <http://stotrasamhita.net/wiki/StotraSamhita>About>